085/X/SA2/22/A1

विद्यार्थी उत्तर-पुस्तिका में मुख पृष्ठ पर कोड नं. अवश्य लिखें।

कक्षा - X

हिन्दी

(पाठ्यक्रम - ब)

निर्धारित समय : **3** घंटे]

[अधिकतम अंक : **80**

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **12** हैं।
- प्रश्न-पत्र में बाएँ हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **18** प्रश्न हैं।
- कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले उस प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए **15** मिनट का समय दिया गया है।

निर्देश :

(i) इस प्रश्न-पत्र के **चार** खंड हैं — **क, ख, ग** और **घ**।

(ii) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है।

(iii) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए।

खंड 'क'

1. **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सही उत्तरों वाले विकल्प चुनकर लिखिए।** **1x5=5**

शिशु को यदि हम राष्ट्र की अमूल्य निधि के रूप में देखना चाहते हैं तो उसे एक ऐसा आदर्श वातावरण प्रदान करना होगा, जिसमें निर्बाध गति से उसका चहुँमुखी विकास हो सके। स्वच्छ, शांत, भयमुक्त और स्वास्थ्यप्रद वातावरण में ही शिशु की कोमल भावनाएँ सुरक्षित रह सकती हैं। शिशु की कोमल भावनाओं को आघात पहुँचाना सामाजिक अपराध है। राष्ट्र का यह पुनीत कर्तव्य है कि वह प्रत्येक बालक को ऐसा वातावरण उपलब्ध कराए कि उसमें हीन भावना न पनपने पाए। हीन भावना से ग्रासित शिशु बड़ा होने पर समाज के प्रति अपने कर्तव्य का सही रूप से निर्वाह नहीं कर सकता।

(i) शिशु को राष्ट्र की अमूल्य निधि किस प्रकार बनाया जा सकता है?
   (क) आदर्श वातावरण प्रदान कर
   (ख) शिक्षित करके
   (ग) खेल सामग्री उपलब्ध कराके
   (घ) अनुशासन में रहकर

(ii) शिशु की कोमल भावनाएँ कैसे वातावरण में सुरक्षित रह सकती हैं?
   (क) अनुशासित वातावरण में
   (ख) स्वच्छ एवं शांत वातावरण में
   (ग) शांत, भयमुक्त और स्वास्थ्यप्रद वातावरण में
   (घ) प्रदूषण रहित वातावरण में।

(iii) 'चहुँमुखी विकास' का तात्पर्य है।
   (क) चार मुख वाला विकास
   (ख) चार दिशाओं का विकास
   (ग) सर्वांगीण विकास
   (घ) आर्थिक विकास

(iv) राष्ट्र का पुनीत कर्तव्य क्या है?
   (क) बच्चे के भविष्य को सुरक्षित न रखना।
   (ख) बच्चों में हीन भावना न पनपने देना।
   (ग) बच्चों को सुविधाएँ प्रदान करना।
   (घ) बच्चों को सबल वातावरण प्रदान न करना।

(v) इस गद्यांश का उचित शीर्षक है –
   (क) राष्ट्र की अमूल्य निधि
   (ख) शिशु और राष्ट्र
   (ग) शिशु की कोमलता
   (घ) राष्ट्र के दायित्व

2. **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सही उत्तरों वाले विकल्प चुनकर लिखिए।** **1x5=5**

यह सही है कि इन दिनों कुछ ऐसा माहौल बना है कि ईमानदारी से मेहनत करके जीविका चलाने वाले निरीह और भोले-भाले श्रमजीवी पिस रहे हैं और झूठ तथा फ़रेब का रोज़गार करने वाले फल-फूल रहे हैं। ईमानदारी को मूर्खता का पर्याय समझा जाने लगा है, सच्चाई केवल भीरू और बेबस लोगों के हिस्से पड़ी है। ऐसी स्थिति में

जीवन के महान मूल्यों के बारे में लोगों की आस्था ही हिलने लगी है। परन्तु ऊपर-ऊपर जो कुछ दिखाई दे रहा है, वह हाल की मनुष्य-निर्मित नीतियों की त्रुटियों की देन है। सदा मनुष्य बुद्धि नई परिस्थितियों का सामना करने के लिए नए सामाजिक विधि-निषेधों को बनाती है, उनके ठीक साबित न होने पर उन्हें बदलती है। नियम कानून सबके लिए बनाए जाते हैं पर सबके लिए कभी-कभी एक ही नियम सुखकर नहीं होते। सामाजिक कायदे-कानून कभी युग-युग से परीक्षित आदर्शों से टकराते हैं, इससे ऊपरी सतह की आलोचना भी होती है, पहले भी हुआ है, आगे भी होगा। उसे देखकर हताश हो जाना ठीक नहीं है।

(i) 'श्रमजीवी' का पर्याय नहीं है :

(क) श्रमिक

(ख) पारिश्रमिक

(ग) मजदूर

(घ) मेहनतकश

(ii) आज लोगों की आस्था किसके प्रति हिलने लगी है?

(क) मेहनत करने वालों के प्रति

(ख) झूठ और फ़रेब के प्रति

(ग) जीवन के महान मूल्यों के प्रति

(घ) ईमानदारी और सच्चाई के प्रति

(iii) झूठ और फ़रेब का रोजगार करने से तात्पर्य है -

(क) सच्चाई और ईमानदारी का व्यवहार

(ख) नेतागिरी का काम

(ग) व्यापार का दिखावा करना

(घ) झूठ और धोखे से धन कमाना

(iv) सामाजिक कायदे कानून को किससे टकराना पड़ता है?

(क) रीति-रिवाजों से

(ख) आडंबरों से

(ग) परीक्षित आदर्शों से

(घ) अंधविश्वासों से

(v) इस गद्यांश का संदेश है कि -

(क) हमें चुप रहना चाहिए

(ख) हमें सहनशील होना चाहिए

(ग) हमें नेतृत्व करना चाहिए

(घ) हमें हताश नहीं होना चाहिए

3. निम्नलिखित काव्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तरों वाले विकल्प चुनकर लिखिए। 1x5=5

मधुप गुनगुना कर कह जाता कौन कहानी यह अपनी,
मुरझाकर गिर रही हैं पत्तियाँ देखो कितनी आज घनी।
इस गंभीर अनंत-नीलिमा में असंख्य जीवन - इतिहास,
यह लो, करते ही रहते हैं अपना व्यंग्य-मलिन उपहास
तब भी कहते हो - कह डालूँ दुर्बलता अपनी बीती।
तुम सुनकर सुख पाओगे, देखोगे यह गागर रीती।

(i) 'मधुप' का अर्थ है -

(क) मधु पाने वाला

(ख) मधु पसंद करने वाला

(ग) मधु पीने वाला

(घ) मधु देने वाला

(ii) पत्तियों के मुरझाकर गिरने का तात्पर्य क्या है?

(क) जीवन के अनेक वर्ष व्यतीत हो गए

(ख) जीवन के वृक्ष गिर गए

(ग) जीवन रूपी वृक्ष मुरझा गए

(घ) जीवन समाप्त हो गया

(iii) 'तुम' संबोधन किसके लिए प्रयुक्त हुआ है?

(क) सुनने वालों के लिए

(ख) पड़ोसियों के लिए

(ग) मित्रों के लिए

(घ) अभावों के लिए

(iv) कवि 'गागर रीती' किसे कह रहा है?

(क) अपने जीवन को

(ख) समाज को

(ग) सुनने वाले को

(घ) असफलताओं को

(v) लोग कवि से क्या कह डालने का अनुरोध कर रहे है?

(क) अपना-जीवन इतिहास

(ख) अपनी दुर्बलता

(ग) कोई कहानी

(घ) व्यंग्य इतिहास

4. **निम्नलिखित काव्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तरों वाले विकल्प चुनकर लिखिए।** **1x5=5**

हिम्मत करने वालों की हार नहीं होती
लहरों से डरकर नैया पार नहीं होती।
नन्हीं चींटी जब दाना लेकर चलती है
चढ़ती दीवारों पर सौ बार फिसलती है
मन का विश्वास रगों में साहस भरता है
चढ़कर गिरना, गिरकर चढ़ना न अखरता है।
आखिर उनकी मेहनत बेकार नहीं होती।
कोशिश करने वालों की हार नहीं होती।

डुबकियाँ सिंधु में गोताखोर लगाता है
जा-जा कर खाली हाथ लौट आता है
मिलते न सहज ही मोती पानी में
बढ़ता दूना उत्साह इसी हैरानी में
मुट्ठी उनकी खाली हर बार नहीं होती।
हिम्मत करने वालों की हार नहीं होती।

(i) हममें साहस कौन भरता है?
(क) हमारे माता-पिता
(ख) हमारे अध्यापक
(ग) हमारे मित्र
(घ) हमारे मन का विश्वास

(ii) 'सिंधु' शब्द का पर्यायवाची शब्द क्या है?
(क) जलद
(ख) जलधि
(ग) जलाशय
(घ) जलोढ़

(iii) हमें चींटी की तरह -
(क) दीवार पर चढ़ना चाहिए।
(ख) फिसलना-गिरना चाहिए।
(ग) प्रयास करते रहना चाहिए।
(घ) दाना लेकर चलना चाहिए।

(iv) हार किसकी नहीं होती?
(क) काम करने वालों की
(ख) हिम्मत करने वालों की
(ग) काम छोड़ देने वालों की
(घ) धीरे-धीरे काम करने वालों की

(iv) उपर्युक्त काव्यांश का उपयुक्त शीर्षक हो सकता है -
(क) दुश्मन से लड़ने वालों की हार नहीं होती
(ख) गोताखोरों की कभी हार नहीं होती
(ग) हिम्मत करने वालों की हार नहीं होती
(घ) काम करने वालों की हार नहीं होती

खंड 'ख'

5. (i) 'एक कुत्ता तीन टाँगों के बल रेंगता चला आ रहा है।' वाक्य में क्रिया पदबंध है - **1**
(क) रेंगता चला आ रहा है
(ख) चला आ रहा है
(ग) आ रहा है
(घ) रहा है

(ii) वह कल मुंबई जाएगा। रेखांकित पद का परिचय है – **1**

(क) सर्वनाम, पुरुषवाचक, अन्य पुरुष, एकवचन, स्त्रीलिंग

(ख) सर्वनाम, मध्यमपुरुष, एकवचन, पुल्लिंग

(ग) सर्वनाम, उत्तमपुरुष, एकवचन, स्त्रीलिंग

(घ) सर्वनाम, पुरुषवाचक, अन्य पुरुष, एकवचन, पुल्लिंग

(iii) सबको डराने वाले तुम आज भीगी बिल्ली क्यों बने हो। रेखांकित पदबंध है – **1**

(क) सर्वनाम पदबंध

(ख) विशेषण पदबंध

(ग) क्रिया विशेषण पदबंध

(घ) क्रिया पदबंध

(iv) राम सारी खबरें पढ़ चुका है। रेखांकित पद का परिचय है – **1**

(क) संज्ञा, भाववाचक, पुल्लिंग, एकवचन, कर्त्ताकारक

(ख) संज्ञा, व्यक्तिवाचक, पुल्लिंग, बहुवचन, कर्मकारक

(ग) संज्ञा, व्यक्तिवाचक, स्त्रीलिंग बहुवचन, कर्मकारक

(घ) संज्ञा, जातिवाचक, स्त्रीलिंग, बहुवचन, कर्मकारक

6. (i) जब अविनाश बाबू ने झंडा गाड़ा तब पुलिस ने उनको पकड़ लिया। रचना की दृष्टि से वाक्य का भेद है- **1**

(क) सरल वाक्य

(ख) मिश्र वाक्य

(ग) संयुक्त वाक्य

(घ) इच्छावाचक वाक्य

(ii) निम्नलिखित में मिश्र वाक्य है – **1**

(क) लोग टोली बनाकर मैदान में घूमने लगे।

(ख) लोग टोलियाँ बनाए और मैदान में घूमने लगे।

(ग) लोग टोलियाँ बनाते ही मैदान में घूमने लगे।

(घ) जब लोगों ने टोलियाँ बनाई, तो मैदान में घूमने लगे।

(iii) निम्नलिखित में संयुक्त वाक्य है – **1**

(क) सूर्य उगने पर अँधेरा दूर हो गया

(ख) जैसे ही सूर्य उगा वैसे ही अँधेरा दूर हो गया

(ग) सूर्य उगा और अँधेरा दूर हो गया

(घ) ज्योंही सूर्य उगा त्योंही अँधेरा दूर हो गया

(iv) पुलिस की लारी आई। उन्हें लाल बाज़ार ले जाया गया। इन वाक्यों से बना संयुक्त वाक्य है – **1**

(क) पुलिस की लारी आकर उन्हें लाल बाज़ार ले गई।

(ख) जब पुलिस की लारी आई तब उन्हें लाल बाजार ले जाया गया।

(ग) पुलिस की लारी आई और उन्हें ले जाया गया।

(घ) पुलिस की लारी आई और उन्हें लाल बाजार ले गई।

7. (i) 'हितोपदेश' का संधि-विच्छेद है : **1**

(क) हित + उपदेश

(ख) हितोप + देश

(ग) हितो + उपदेश

(घ) हितो + पदेश

(ii) सिंधु + ऊर्जा की संधि है : **1**

(क) सिंधुऊर्जा

(ख) सिंधूर्जा

(ग) सिंधुर्जा

(घ) सिंधूऊर्जा

(iii) 'भोजनालय' समस्त पद का विग्रह है : **1**

(क) भोजन का आलय

(ख) भोजन से आलय

(ग) भोजन द्वारा आलय

(घ) भोजन के लिए आलय

(iv) 'महान है जो आत्मा' का समस्त पद है - **1**

(क) महाआत्मा

(ख) महात्मा

(ग) महआत्मा

(घ) महत्मा

8. (i) द्रौपदी का वस्त्र हरण होते देख भीम का ....। रिक्त स्थान की पूर्ति उचित मुहावरे से कीजिए। **1**

(क) खून पानी बन गया

(ख) खून लाल हो गया

(ग) खून खौलने लगा

(घ) खून में उबाल आ गया

(ii) अन्याय के खिलाफ आवाज़ उठाते हुए व्यक्ति को सभी ने नजरअंदाज कर दिया, सच है ....। **1**

(क) अधजल गगरी छलकत जाए

(ख) अकेला चना भाड़ नहीं फोड़ता

(ग) उल्टा चोर कोतवाल को डाँटे

(घ) काला अक्षर भैंस बराबर

(iii) 'एकटक निहारना' मुहावरे का अर्थ है : **1**

(क) आँखे बिना झपकाए देखना

(ख) चकित रह जाना

(ग) गहरी नींद से जागना

(घ) इंतजार करना

(iv) 'अब पछताए होत क्या जब चिड़िया चुग गई खेत' लोकोक्ति का अर्थ है – 1

(क) समय निकल जाने पर प्रयत्न करना व्यर्थ है।

(ख) अधिक लालच से हानि होती है।

(ग) समय बीत जाने पर पछताने से कोई लाभ नहीं।

(घ) चिड़ियाँ दाना चुगलें तो पछताना ठीक नहीं।

9. (i) निम्नलिखित में से शुद्ध वाक्य है : 1

(क) प्रधानमंत्री भाषण देता है।

(ख) भाषण को प्रधानमंत्री देता है।

(ग) प्रधानमंत्री भाषण देते हैं।

(घ) प्रधानमंत्री भाषण को देते हैं।

(ii) निम्नलिखित में से शुद्ध वाक्य है : 1

(क) तुमने क्या कर दिया।

(ख) तुमने चंडीगढ़ जाना है।

(ग) कृपया तुम चंडीगढ़ जाने की कृपा करो।

(घ) क्या तुम चंडीगढ़ देखे हो।

(iii) निम्नलिखित में अशुद्ध वाक्य है : 1

(क) मुझे बहुत गुस्सा आता है।

(ख) ऐसे सज्जन व्यक्ति दुर्लभ हैं।

(ग) राधा मेरी परम प्रिय है।

(घ) कल माताजी आ रही हैं।

(iv) निम्नलिखित में शुद्ध वाक्य है : 1

(क) मैं नया पोशाक पहनूँगा।

(ख) पिताजी ने पुस्तक पढ़ा।

(ग) आइए , आपका स्वागत है।

(घ) आप हमारे घर कब आओगे।

खंड 'ग'

10. किसी एक काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उचित उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए। 1x5=5

सहानुभूति चाहिए, महाविभूति है यही,
वशीकृता सदैव है बनी हुई स्वयं मही।
विरुद्धवाद बुद्ध का दया-प्रवाह में बहा,
विनीत लोकवर्ग क्या न सामने झुक रहा ?
अहा ! वही उदार है जो परोपकार करे,
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।।

(i) मनुष्य की सबसे बड़ी पूँजी क्या है –

(क) मनुष्य के प्रति सहानुभूति

(ख) ऊँच-नीच संबंधी विषमताएँ

(ग) विरुद्धवाद

(घ) परोपकार

(ii) धरती किन लोगों के वश में रहती है?

(क) जो धनी हैं।

(ख) जो बलशाली हैं।

(ग) जो दूसरों के प्रति सहानुभूति रखते हैं।

(घ) जो गौतम बुद्ध के विरुद्ध हैं।

(iii) कवि ने सच्चा मनुष्य किसे माना है –

(क) दानी को

(ख) परोपकारी को

(ग) दूसरों के लिए जीवन दे देनेवाले को

(घ) विनीत रहने वाले को

(iv) समाज गौतम बुद्ध के सामने क्यों झुका?

(क) महापुरुष होने के कारण

(ख) तपस्वी होने के कारण

(ग) शरणागत होने के कारण

(घ) प्रेम और करूणा की भावना होने के कारण

(v) कवि की दृष्टि में उदार कौन है?

(क) जो दयावान है

(ख) जो परोपकारी है

(ग) जो दूसरों के लिए जीता-मरता है

(घ) जो उपेक्षित है

अथवा

मेरा त्राण करो अनुदित तुम यह मेरी प्रार्थना नहीं
बस इतना होवे (करुणामय)
तरने की हो शक्ति अनामय
मेरा भार अगर लघु करके न दो सांत्वना नहीं सही।
केवल इतना रखना अनुनय
वह कर सकूँ इसको निर्भय।
नत शिर होकर सुख के दिन में
तव मुख पहचानूँ छिन-छिन में
दुख-रात्रि में करे वंचना मेरी जिन दिन निखिल मही
उस दिन ऐसा हो करुणामय
तुम पर करूँ नहीं कुछ संशय

(i) अपने भार के बारे में कवि ने चाहा है कि ईश्वर उसका भार - **1**

(क) बाँट ले

(ख) हलका कर दे

(ग) दूसरों को दे दे

(घ) ढ़ोने की शक्ति दे

(ii) 'अनुनय' शब्द का अर्थ है - **1**

(क) कृपा

(ख) विनय

(ग) धैर्य

(घ) सामर्थ्य

(iii) कवि ईश्वर से क्या विनती करता है? **1**

(क) आत्म रक्षा की

(ख) संसार सागर में डूबने से बचाने की

(ग) अटूट विश्वास बने रहने की

(घ) बोझ हल्का करने की

(iv) सुख के दिनों में प्रभु की पहचान बनाए रखने की प्रार्थना कवि क्यों करता है? **1**

(क) प्रभु का स्मरण लोग प्राय: दुख में ही करते हैं।

(ख) ईश्वर को सुख में भूल जाते हैं।

(ग) दुख और सुख दोनों एक सी स्थितियाँ है।

(घ) वह हर स्थिति में ईश्वर की निकटता चाहता है।

(v) दुख से घिर जाने और संसार के लोगों द्वारा धोखा दिए जाने पर कवि क्या चाहता है। **1**

(क) संसार-सागर को तैरकर पार जाना

(ख) प्रभु में अटूट विश्वास बनाए रखना

(ग) लोगों को धोखा देना

(घ) अपना बोझ स्वयं उठाना

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से **किन्हीं दो** के उत्तर दीजिए। **2½+2½=5**

(क) धरती पर मनुष्यों की आबादी बढ़ने का क्या दुष्परिणाम हुआ?

(ख) लेखक के मित्र ने जापान में मानसिक रोग बढ़ने के क्या-क्या कारण बताए? आप इन कारणों से कहाँ तक सहमत हैं?

(ग) वजीर अली ने कंपनी के वकील का कत्ल क्यों किया?

(घ) 'शुद्ध सोने मे ताँबे की मिलावट या ताँबे में सोना' गाँधीजी के आदर्श और व्यवहार के संदर्भ में यह बात किस तरह झलकती है? स्पष्ट कीजिए।

12. 'गिरगिट' कहानी के माध्यम से समाज की किन विसंगतियों पर व्यंग्य किया गया है? क्या आप ऐसी विसंगतियाँ अपने समाज में देखते हैं? स्पष्ट कीजिए? **5**

अथवा

'अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होनेवाले' पाठ के आधार पर बताइए कि, आपके विचार में कौन से ऐसे मूल्य है जो शाश्वत हैं? वर्तमान समय में इन मूल्यों की प्रासंगिकता स्पष्ट कीजिए।

13. **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**

दुनिया कैसे वजूद में आई? पहले क्या थी? किस बिंदु से इसकी यात्रा शुरू हुई? इन प्रश्नों के उत्तर विज्ञान अपनी तरह से देता है, धार्मिक ग्रंथ अपनी-अपनी तरह से संसार की रचना भले ही कैसे हुई हो, लेकिन धरती किसी एक की नहीं है। पंछी, मानव, पशु, नदी, पर्वत, समंदर आदि की इसमें बराबर की हिस्सेदारी है। यह और बात है कि इस हिस्सेदारी में मानव जाति ने अपनी बुद्धि से बड़ी-बड़ी दीवारें खड़ी कर दी है। पहले पूरा संसार एक परिवार के समान था, अब टुकड़ों में बँटकर एक-दुसरे से दूर हो चुका है। पहले बड़े-बड़े दालानों-आँगनों में सब मिल जुलकर रहते थे अब छोटे-छोटे डिब्बे जैसे घरों में जीवन सिमटने लगा।

(i) दुनिया के अस्तित्व के संबंध में विज्ञान और धर्म किस बिंदु पर एक है? **2**

(ii) मनुष्य की बुद्धि ने क्या करिश्मा किया है? **2**

(iii) धरती पर किस-किस का अधिकार है? **1**

अथवा

अकसर हम या तो गुजरे दिनों की खट्टी-मीठी यादों में उलझे रहते हैं या भविष्य के रंगीन सपने देखते रहते हैं। हम या तो भूतकाल में रहते हैं या भविष्यकाल में। असल में दोनों काल मिथ्या है। एक चला गया, दूसरा आया नहीं है। हमारे सामने जो वर्तमान क्षण है, वही सत्य है। उसी में जीना चाहिए। चाय पीते-पीते उस दिन मेरे दिमाग में भूत और भविष्य दोनों काल उड़ गए थे। केवल वर्तमान क्षण सामने था और अनंत काल जितना विस्तृत था।

जीना किसे कहते हैं, उस दिन मालूम हुआ। झेन परंपरा की यह सबसे बड़ी देन मिली है जापानियों को।

(i) प्राय: मनुष्य किन यादों और कल्पनाओं के साथ जीता है? **1**

(ii) लेखक के अनुसार जीवन का सत्य क्या है? कैसे? **2**

(iii) भाव स्पष्ट कीजिए - केवल वर्तमान क्षण सामने था और अनंत काल जितना विस्तृत था। **2**

14. (क) 'विश्व-शलभ' दीपक के साथ क्यों जल जाना चाहता है? **2**

(ख) बिहारी की नायिका यह क्यों कहती है 'कहि है सबु तेरौ हियौ, मेरे हिय की बात' स्पष्ट कीजिए। **2**

(ग) 'कर चले हम फिदा' कविता में 'साथियों' संबोधन का प्रयोग किनके लिए किया गया है? **1**

15. हेडमास्टर शर्माजी ने पीटी साहब को क्यों मुअत्तल कर दिया? **3**

अथवा

इफ़्फ़न की दादी अपने पीहर क्यों जाना चाहती थी?

16. दस अक्टूबर सन् पैंतालीस का दिन टोपी के जीवन में क्या महत्त्व रखता है? **2**

खंड 'घ'

17. दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग *100* शब्दों में अनुच्छेद लिखें। **5**

(क) परिश्रम सफलता की कुंजी है :

श्रम का महत्व, शारीरिक एवं मानसिक विकास, सफलता से आगे बढ़े देश

(ख) जहाँ चाह वहाँ राह :

कहावत का इच्छाशक्ति से संबंध, अपनी राह स्वयं बनाने की आवश्यकता, चाह से राह का निर्माण।

(ग) बढ़ता आतंकवाद : एक चुनौती -

आतंक से त्रस्त विश्व, विभिन्न देशों में आतंकवाद, विभिन्न आतंकी संगठन, लगाम लगाना जरूरी।

18. **पत्र-लेखन :** **5**

बस सेवा की अनियमितता के विषय में परिवहन निगम के प्रबंधक को पत्र लिखने पर भी कोई हल नहीं निकला। अपनी कठिनाइयों को समझाते हुए अपने क्षेत्र के जन प्रतिनिधि / विधायक को पत्र लिखिए।

अथवा

विद्यालय में वनमहोत्सव कार्यक्रम की अध्यक्षता के लिए अपने शिक्षा निदेशक को पत्र लिखकर अनुरोध कीजिए। उन्हें तिथि, स्थान, समय, कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताइए कि आप उनसे कितना समय चाहते हैं।

- o 0 o -